www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 277 | जौनपुर शुक्रवार, 29 मई 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

हिंद महासागर में भारतीय नौसेना की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय नौसेना ने समुद्री डकैती के एक बड़े कुप्रयास को विफल कर दिया। हिंद महासागर में समुद्री डाकुओं की सूचना मिलते ही नौसेना के जांबाज तुरंत हरकत में आए और समुद्री डाकुओं को घेर लिया। ये समुद्री डाकू एक मालवाहक जहाज को अपना निशाना बनाने की फिराक में थे। हालांकि भारतीय नौसेना द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई से समुद्री डाकुओं के मंसूबे नाकाम हो गए। नौसेना के मुताबिक ये कार्रवाई पश्चिमी हिंद महासागर में की गई है। दरअसल, पश्चिमी हिंद महासागर में व्यापारी जहाज एमवी माशाअल्लाह 1 के आसपास समुद्री डाकू घेराबंदी की तैयारी में थे। इस बीच भारतीय नौसेना को समुद्री डाकुओं की गतिविधियों की सूचना मिली। यह जानकारी मिलने पर भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस कोलकाता ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संभावित खतरे को विफल कर दिया। भारतीय नौसेना की इस तेज और सतर्क प्रतिक्रिया से व्यापारी जहाज की सुरक्षा सुनिश्चित हुई तथा संभावित समुद्री डकैती की बड़ी घटना टल गई। भारतीय नौसेना के अनुसार, जैसे ही क्षेत्र में संदिग्ध समुद्री गतिविधियों की जानकारी मिली, आईएनएस कोलकाता को तत्काल स्थिति का आकलन करने और व्यापारी पोत की सुरक्षा के लिए सक्रिय किया गया।

दिल्ली सरकार ने राशन कार्ड बनाने की वार्षिक आय सीमा बढ़ाकर 2.5 लाख की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली कैबिनेट ने मंगलवार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत राशन कार्ड की वार्षिक आय पात्रता सीमा को 1.2 लाख से बढ़ाकर 2.5 लाख रुपये करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। दिल्ली के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कैबिनेट निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि पहले, राशन कार्ड के लिए आय की पात्रता बहुत कम थी। वर्तमान में 1 लाख रुपये की वार्षिक आय एक परिवार के लिए न्यूनतम मजदूरी के स्तर से भी कम है। इसे ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने आय की सीमा बढ़ाकर 2.5 लाख कर दी है, ताकि ज़्यादा से ज़्यादा पात्र परिवार पीडीएस प्रणाली के तहत किफायती राशन का लाभ उठा सकें। मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार सीबीडीसी(सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी) आधारित राशन वितरण प्रणाली लागू करने की दिशा में भी कार्य कर रही है।

बालवाटिका से बदल रही बुनियादी शिक्षा, यूपी सरकार मजबूत कर रही प्री-प्राइमरी की नींव

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार शिक्षा सुधार को प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर के साथ–साथ प्री–प्राइमरी स्तर तक मजबूत करने में जुटी हुई है। प्रदेश के समस्त को–लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों और बालवाटिकाओं में 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए गतिविधि आधारित आधुनिक शिक्षण सामग्री का वितरण शुरू किया गया है। 'चहक–1, 2, 3', 'कदम', 'कलांकुर', बिग बुक, होलिस्टिक रिपोर्ट कार्ड और बालवाटिका पुस्तिका जैसी सामग्री के माध्यम से अब लाखों नौनिहालों को शुरुआती शिक्षा का नया और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। योगी सरकार की यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के उस विजन को जमीन पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसमें प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) को बच्चों की सीखने की बुनियाद माना गया है। अब उत्तर प्रदेश में आंगनबाड़ी केंद्रों और बालवाटिकाओं को केवल पोषण और देखभाल तक सीमित न रखते हुए उन्हें प्रारंभिक शिक्षा और गतिविधि आधारित शिक्षा के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। जारी निर्देशों के अनुसार प्रदेश के सभी को–लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों और बालवाटिकाओं में आयु वर्ग के अनुसार शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अंतर्गत 'चहक–1', 'चहक–2', 'चहक–3', 'कदम', 'कलांकुर', बालवाटिका हस्तपुस्तिका, 12 प्रकार की बिग बुक, होलिस्टिक रिपोर्ट कार्ड और शिक्षण तालिकाएं वितरित की जाएंगी। प्रदेश में पहले ही बेसिक शिक्षा के अंतर्गत बड़े स्तर पर स्मार्ट स्कूल, ऑपरेशन कायाकल्प, डिजिटल मॉनिटरिंग और निपुण भारत मिशन जैसे अभियान संचालित किए जा रहे हैं। अब प्री–प्राइमरी शिक्षा को भी उसी व्यापक शिक्षा सुधार अभियान से जोड़ते हुए बच्चों की शुरुआती सीखने की क्षमता को मजबूत करने पर विशेष फोकस किया जा रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु नाथुला जाएंगी, सिक्किम केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में होंगी शामिल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सिक्किम के तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। दौरे के दूसरे दिन आज बुधवार को वे भारत–चीन सीमा पर स्थित नाथुला दर्रा का दौरा करेंगी। नाथुला से लौटने के बाद वे सिक्किम केंद्रीय विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। राष्ट्रपति मुर्मु मंगलवार को सिक्किम पहुंचीं। दौरे के पहले दिन उन्होंने गंगटोक के स्वर्ण जयंती मैत्रेय मंजरी परिसर में ऑर्किडेरियम का दौरा किया। इसके बाद शाम को उन्होंने नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ तिब्बतोलॉजी का भी भ्रमण किया। आज के नाथुला दौरे को विशेष महत्व दिया जा रहा है क्योंकि जून 2026 से कैलाश मानसरोवर तीर्थयात्रा नाथुला दर्रे से शुरू होने जा रही है। कोविड–19 महामारी के बाद यह पहला मौका होगा जब तीर्थयात्रा इस रूट से शुरू होगी। दौरे के तीसरे और अंतिम दिन 28 मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु गंगटोक के पाल्जोर स्टेडियम में एक समारोह में शामिल होंगी। इस अवसर पर वे सिक्किम पुलिस को राष्ट्रपति का प्रतिष्ठित 'पुलिस कॉलर' प्रदान करेंगी। सिक्किम यह सम्मान पाने वाला देश का 15वां राज्य बन जाएगा। राष्ट्रपति के इस दौरे को सिक्किम की सांस्कृतिक, शैक्षणिक और सामरिक महत्व की दृष्टि से काफी अहम माना जा रहा है।

भीषण गर्मी के बीच पीएम मोदी की अपील– खुद को हाइड्रेटेड रखें, जरूरतमंदों को पानी पिलाएं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश के विभिन्न हिस्सों में इन दिनों भीषण गर्मी और हीट वेव ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कई क्षेत्रों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बढ़ती गर्मी को लेकर चिंता जताते हुए लोगों से सतर्क रहने और एक–दूसरे की मदद करने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि बढ़ते तापमान के कारण दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है, ऐसे में सभी लोगों को अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने लोगों से पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, शरीर को हाइड्रेटेड रखने और घर से बाहर निकलते समय पानी साथ रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इस कठिन मौसम में संवेदनशीलता और मानवीय सहयोग भी महत्वपूर्ण है। यदि संभव हो तो किसी प्यासे व्यक्ति को एक गिलास पानी जरूर दें। साथ ही उन्होंने उन लोगों की सराहना की, जो अपने घरों और दुकानों के बाहर मटके या पानी की व्यवस्था करते हैं ताकि जरूरतमंद लोग अपनी प्यास बुझा सकें। प्रधानमंत्री ने बुजुर्गों की देखभाल पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने लोगों से अपने माता–पिता, दादा–दादी, नाना–नानी और अन्य प्रियजनों का हालचाल लेने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें पर्याप्त पानी पीने, दोपहर की तेज धूप से बचने और अधिक से अधिक आराम करने की सलाह दें। इसके अलावा पीएम मोदी ने पशु–पक्षियों के प्रति भी संवेदनशीलता दिखाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि घर, बालकनी, छत, दुकान या कार्यालय के बाहर पानी से भरा एक छोटा बर्तन रखना भी किसी प्यासे पक्षी के लिए जीवनदायी साबित हो सकता है।

बीएसएफ, सेना और सीमांत नागरिक मिलकर बनाएंगे मजबूत सुरक्षा ग्रिड – अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को राजस्थान के बीकानेर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित सीमा सुरक्षा बलकी सांचू पोस्ट पर आयोजित प्रहरी सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने महिला बैरकों का ई–उद्घाटन भी किया। कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, सीमा प्रबंधन सचिव और के महानिदेशक समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अमित शाह ने कहा कि ठैथ के जवान स्थापना काल से ही भीषण गर्मी, कड़ाके की ठंड, घने जंगलों और बर्फीली चोटियों जैसी कठिन परिस्थितियों में देश की सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2000 से अधिक सीमा प्रहरियों का सर्वोच्च बलिदान पूरे देश पर ऋण है और हर भारतीय को उन पर गर्व है। गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार सीमा सुरक्षा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2030 तक सीमा सुरक्षा में तैनात सभी महिला जवानों के लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में 79 बैरकों को स्वीकृति दी गई थी, जिनमें से 67 बैरकों का निर्माण लगभग 39 करोड़ रुपए की लागत से पूरा हो चुका है। इनमें से 14 बैरकों का उद्घाटन मंगलवार को किया गया। अमित शाह ने बताया कि ठैथ की विभिन्न सीमाओं पर लगभग 200 करोड़ रुपए की लागत से कुल 356 बैरकों का निर्माण किया जाएगा। अमित शाह ने कहा कि बॉर्डर सिक्योरिटी केवल पेवसंजमक कनजल नहीं बल्कि उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा के लिए ठैथ, सेना, सीमांत नागरिक और स्थानीय प्रशासन मिलकर 'चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड' बनाते हैं। गृह मंत्री ने कहा कि शून्य घुसपैठ सुनिश्चित करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और यह इसी सुरक्षा ग्रिड के जरिए संभव है। गृह मंत्री ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ठैथ के जवानों ने सराहनीय प्रदर्शन किया।

नितिन नबीन का तीन दिवसीय उत्तराखंड दौरा, संगठन पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नबीन 28 मई से उत्तराखंड के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे संगठन से जुड़ी कई अहम बैठकों में हिस्सा लेंगे और वरिष्ठ नेताओं के साथ–साथ पार्टी कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात करेंगे। यह दौरा 28 मई से 30 मई तक चलेगा, जिसमें संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी रणनीति पर विशेष फोकस रहेगा। नितिन नबीन 28 मई को शाम लगभग 4:35 बजे देहरादून स्थित जॉली ग्रांट हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। यहां से वे सीधे राज्य भाजपा कार्यालय जाएंगे, जहां शाम 6:15 बजे कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इसके बाद वे पार्टी के मंत्रियों के साथ अलग से संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। दौरे के दूसरे दिन की शुरुआत श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और उनके परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त करेंगे। यह कार्यक्रम सुबह

उनकी मुख्यमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात के साथ होगी। इसके बाद वे पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय बी. सी. खंडूरी के आवास पर जाकर के सत्र में निर्धारित है। इसके बाद वे राजपुर रोड स्थित एक होटल में आयोजित संगठनात्मक बैठकों में हिस्सा लेंगे। इस दौरान सांसदों और विधायकों के साथ विस्तृत चर्चा की जाएगी। साथ ही राज्य पदाधिकारियों, मोर्चा अध्यक्षों, महासचिवों, जिला प्रभारियों और जिला अध्यक्षों के साथ संगठन की मौजूदा स्थिति और आगामी योजनाओं पर विचार–विमर्श होगा। दिन के दौरान नितिन नबीन स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों जैसे महापौर, नगर पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुखों से भी संवाद करेंगे। इसके अलावा वे पार्टी के मीडिया, सोशल मीडिया, आईटी सेल और प्रवक्ताओं के साथ बैठक कर संचार रणनीति की समीक्षा करेंगे। दौरे के अंतिम दिन नितिन नबीन टपकेश्वर महादेव मंदिर में पूजा–अर्चना करेंगे।

चिराग पासवान ने प्रधानमंत्री मोदी को 12 साल के कार्यकाल के लिए बधाई दी

पटना, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को केंद्र में 12 साल के नेतृत्व के लिए बधाई दी और इस अवधि को सेवा, शासन और राष्ट्रीय विकास का ऐतिहासिक युग बताया। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक संदेश में, लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के प्रमुख ने 26 मई, 2014 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह को याद किया।उन्होंने कहा कि जिस क्षण प्रधानमंत्री मोदी ने पद की शपथ ली, उसी क्षण से देश के लिए विकास, जन कल्याण और सुशासन पर केंद्रित एक परिवर्तनकारी यात्रा की शुरुआत हुई।पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए चिराग पासवान ने कहा कि इस पूरी अवधि के दौरान गरीबों का कल्याण नीति निर्माण के केंद्र में रहा। उनके अनुसार, प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि ने अंत्योदय के सिद्धांत को आत्मनिर्भरता और समावेशी विकास के एक सशक्त आंदोलन में बदल दिया। उन्होंने आगे कहा कि जनभागीदारी ने विकास को एक जन आंदोलन में तब्दील कर दिया है और देश भर में महिला सशक्तिकरण, नवाचार, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक पुनरुत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।वैश्विक कूटनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री की दूरदर्शी नीतियों के कारण आज भारत आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़ा है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक आत्मविश्वासपूर्ण और विश्वसनीय शक्ति के रूप में उभरा है।

विजय की पहली दिल्ली यात्रा– पीएम मोदी से मुलाकात की संभावना

चेन्नई, (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय 27 मई को नई दिल्ली के दौरे पर जाएंगे। मुख्यमंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली आधिकारिक दिल्ली यात्रा होगी। राज्य की राजनीति में उनके तेजी से उभरने और कई दशकों बाद तमिलनाडु में पहली गठबंधन सरकार बनने के बाद इस दौरे को काफी अहम माना जा रहा है।इस दौरे के दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर सकते हैं। माना जा रहा है कि वह तमिलनाडु के लिए ज्यादा वित्तीय सहायता और कई अहम बुनियादी ढांचा व विकास परियोजनाओं को जल्द मंजूरी देने की मांग करेंगे। मुख्यमंत्री से उम्मीद की जा रही है कि वह तमिलनाडु के विकास के लिए केंद्र सरकार से ज्यादा मदद मांगेंगे। इसमें बुनियादी ढांचे के विस्तार, पेंडिंग फंड जारी करने, औद्योगिक विकास योजनाओं, कल्याणकारी कार्यक्रमों और बड़ी कनेक्टिविटी परियोजनाओं के लिए समर्थन की मांग शामिल हो सकती है।इस दौरे का राजनीतिक महत्व इसलिए भी बढ़ गया है, क्योंकि यह विजय और उनकी पार्टी 'तमिलगा वेट्री कझगम' (टीवीके) के शानदार चुनावी प्रदर्शन के कुछ ही हफ्तों बाद हो रहा है। इसे तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ने वाली टीवीके ने 234 सदस्यीय विधानसभा में 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में जगह बनाई। इसके साथ ही राज्य में लंबे समय से चला आ रहा द्रविड़ दलों का राजनीतिक दबदबा टूट गया।

यूपी की जनता अगले चुनाव में भाजपा को धो–पटक कर सुखा देगी – अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर बिजली संकट के बीच निशाना साधते हुए राज्य सरकार की कार्ययोजना पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा में अब कोई दम नहीं बचा है। एक पोस्ट में एसपी प्रमुख ने सवाल उठाया कि क्या उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा को मुख्यमंत्री आदित्यनाथ की समीक्षा बैठकों में आमंत्रित किया गया था, क्योंकि दोनों मंत्री अक्सर साथ नहीं देखे जाते। यादव ने पार्टी में आंतरिक कलह की ओर इशारा करते हुए कहा कि भाजपा के विधायकों–सांसदों ने अपनी ही सरकार के खिलाफ पत्र लिखे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पर ऊर्जा संकट को शदिल्ली की जनता द्वारा भेजे गए दूत की साजिशश न बताने के लिए भी कटाक्ष किया। बिजली कटौती पर निराशा व्यक्त करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बिजली उप–स्टेशनों पर प्रादेशिक सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी) कर्मियों को तैनात करके जनता के आक्रोश से बचने की कोशिश कर रही है। यादव ने कहा कि अगले चुनाव में जनता भाजपा को अच्छे से धो–पटाकर हमेशा के लिए सुखा देगी। शुक्र है उत्तर प्रदेश के श्असफल मुख्यमंत्रीश ने यह नहीं कहा कि इस श्भयानक बिजली संकटश के पीछे दिल्ली से भेजे गए दूत की साजिश है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि क्या बिजली मंत्री मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठकों में शामिल नहीं होते या उन्हें आमंत्रित नहीं किया जाता। यदि वे शामिल होते हैं, तो माननीय महोदय से अनुरोध है कि कंधे पर हाथ रखकर एक तस्वीर पोस्ट करें – जनता को आपके श्आपसी सौहार्दश से कुछ राहत मिल सकती है, क्योंकि जनता ने आप दोनों को कभी साथ नहीं देखा है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा शासन में, बिजली उप–स्टेशनों पर पीएसी तैनात है, और विधायक–सांसद जनता के गुस्से से बचने के लिए कायरतापूर्वक अपनी ही सरकार के खिलाफ पत्र लिखते हैं।

संपादकीय

विजय के उदय की पृष्ठभूमि

टीवीके के संस्थापक विजय खुद को पेरियार की विरासत से जोड़ते हैं और भारतीय संविधान को अपनी आस्था का दस्तावेज मानते हैं। इस रूप कहा जा सकता है कि तमिलनाडु ने सिर्फ चेहरा बदला है, राजनीतिक विचारधारा नहीं। तमिलनाडु में 59 साल बाद ऐसा हुआ है, जब वहां द्रविड़ मुनेत्र कड़गम या अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के अलावा कोई पार्टी कोई सत्ता की दावेदार बनी है। 1967 में पहली बार डीएमके सत्ता में आई। 1972 में एमजी रामचंद्रन ने इससे अलग होकर एडीएमके का गठन किया। 1967 से 2021 तक डीएमके ने सात बार और एडीएमके ने पांच बार सरकार बनाई। मगर 2026 में ये सिलसिला टूटने जा रहा है। चंद्रशेखर जोसेफ विजय पहले ही दांव में अपनी पार्टी टीवीके– तमिल वेट्री कड़गम (तमिल विजय संघ)– को सबसे बड़ा दल बनवाने में सफल रहे हैं। फिल्म अभिनेता के रूप में सफल करियर के बाद राजनीति में आए 51 वर्षीय विजय ने 2024 में टीवीके का गठन किया। वे खुद को ईवी रामास्वामी नायकर पेरियार की विरासत से जोड़ते हैं और भारतीय संविधान को अपनी आस्था का दस्तावेज मानते हैं। इस रूप कहा जा सकता है कि तमिलनाडु ने सिर्फ चेहरा बदला है, राजनीतिक विचारधारा नहीं। जयललिता की मृत्यु के बाद एडीएमके के पास वैसे भी कोई लोकलुभावन चेहरा नहीं बचा है। इसके बावजूद इस चुनाव में पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन किया है, तो यह संभवतरू राज्य में मौजूद एंटी इन्कबेंसी (डीएमके सरकार से असंतोष) का परिणाम है। लंबे समय से परिवारवाद और भ्रष्टाचार के आरोपों के दाग डीएमके की छवि पर रहे हैं। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुजरे पांच साल में अपनी राजनीति को हिंदुत्व और हिंदी विरोध पर केंद्रित रखा। मगर जन आंकाक्षाओं के मोर्चे पर वे खरे नहीं उतरे। इससे विजय के उदय की पृष्ठभूमि बनी। बड़ी संख्या में मतदाताओं ने नए चेहरे पर दांव लगाने का मन बनाया। वैसे नीति या कार्यक्रम के मामले में विजय ने भी कुछ नया पेश नहीं किया है। उनका चुनाव घोषणापत्र भी प्रत्यक्ष नकदी हस्तांतरण, दुल्हनों को आठ ग्राम सोना जड़ित सिल्क साड़ी देने, 200 यूनिट फ्री बिजली, किसानों की पांच लाख रुपये तक की कर्ज माफी और तमिलनाडु को 2023 तक 1.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने जैसे बड़बोले वादों से भरा–पड़ा है। यानी तमिलनाडु में नए चेहरे की सदारत में भी लोकलुभावन– यानी वोट खरीदी– की पुरानी सियासत जारी रहेगी।

दुनिया को सचेत उपभोग की ओर प्रेरित करना

प्रताव राव जाधव

आज जब दुनिया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 मना रही है, मानवता एक निर्णायक सभ्यतागत मोड़ पर खड़ी है। वर्तमान में हम अभूतपूर्व तकनीकी और भौतिक प्रगति के युग में जी रहे हैं, फिर भी हम जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों, बढ़ते मानसिक तनाव, पर्यावरणीय क्षरण और जीवन जीने के अस्थिर तरीकों जैसी चुनौतियों का सामना भी कर रहे हैं। इनमें से कई संकटों के मूल में एक ही चुनौती नजर आती है– वस्तुओं का अनियंत्रित और बिना सोचे–समझे किया जाने वाला उपभोग। प्राकृतिक संसाधनों के जरुरत से ज्यादा दोहन से लेकर डिजिटल उपयोगिता पर अत्यधिक निर्भरता और अस्थिर जीवनशैली तक, आज आधुनिक समाज संतुलन से लगातार दूर होता जा रहा है। और इसी संदर्भ में, योग न केवल एक प्राचीन स्वास्थ्य अभ्यास के रूप में, बल्कि एक जिम्मेदार जीवन जीने के लिए एक कालातीत रूपरेखा के रूप में उभर कर सामने आता है। योग मानवता को आत्म–नियमन, संयम और सचेत विकल्पों की ओर एक शक्तिशाली मार्ग प्रदान करता है। यह हमें सिखाता है कि हम अपने भीतर और अपने आस–पास की दुनिया के साथ सामंजस्य कैसे स्थापित करें। सोच समझकर वस्तुओं का उपभोग करने का आह्वान अत्यधिक उपभोग की वैश्विक चुनौती से निपटने के लिए, हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व ने शमिशन लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट के जरिए एक सशक्त दिशा प्रदान की है। सीओपी26 में, प्रधानमंत्री ने एक ऐसे सिद्धांत को सामने रखा, जो योग के दर्शन से गहराई के साथ जुड़ा हैरू ष्आज जरूरत है सचेत और सोच–समझकर उपयोग करने की, न कि बिना सोचे–समझे और विनाशकारी तरीके से उपभोग करने की।ष् हाल ही में, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और आपूर्ति–श्रृंखला में आई बाधाओं के बीच, प्रधानमंत्री ने इस अपील का विस्तार करते हुए इसे एक दैनिक नागरिक जिम्मेदारी का रूप दिया। उन्होंने नागरिकों को प्रोत्साहित किया कि वे जान–बूझकर ऐसे उपभोग को सीमित करें, जिनसे बचा जा सकता है, जैसे ईंधन बचाना, अनावश्यक ऊर्जा का उपयोग कम करना, और गैर–जरूरी खर्चों पर दोबारा विचार करना। यह अपील किसी चीज की कमी या अभाव पर आधारित नहीं है, बल्कि, यह सामूहिक सशक्तिकरण, निरंतरता और राष्ट्रीय जिम्मेदारी के लिए एक रणनीतिक और नैतिक आह्वान है। जैसा कि उन्होंने हमें याद दिलायारू ष्हर छोटा–बड़ा प्रयास मायने रखता है, ठीक वैसे ही जैसे हर एक बूंद से घड़ा भरता है। ये विचार योग के बुनियादी सिद्धांतों से गहराई से जुड़े हुए हैं। योग दर्शन श्अपरिग्रहश – यानी अनावश्यक चीजों को जमा करने से बचना और श्संतोषश यानी अपनी असली जरूरतों से संतुष्ट रहना, की बात करता है। ये सिद्धांत मिलकर एक ऐसी सोच पैदा करते हैं, जो लोगों को अंधाधुंध उपभोग से दूर सचेत जीवन की ओर प्रेरित करती है। योग हमें निष्क्रिय उपभोक्ता से बदलकर इस धरती का जिम्मेदार रखवाला बनाता है। पारिस्थितिक संतुलन के लिए एक साधन के रूप में योग पृथ्वी पर इंसानी जरूरतों को पूरा करने के लिए तो काफी संसाधन हैं, लेकिन इंसान की असीमित लालच को पूरा करने के लिए नहीं। योग प्रकृति के साथ हमारे आपसी जुड़ाव की भावना को गहरा करके इस जागरूकता को फिर से जगाने में मदद करता है। जिस हवा में हम सांस लेते हैं, जो भोजन हम करते हैं और जिस स्थिरता की हम तलाश करते हैं, ये सभी एक साझा पारिस्थितिक तंत्र का हिस्सा हैं। योग का अभ्यास धीरे–धीरे हमारे व्यवहार को भीतर से बदल देता है। यह मन की बेचैनी को शांत करता है, जल्दबाजी वाली आदतों को कम करता है और आत्म–अनुशासन को मजबूत बनाता है। आज की दुनिया, जो पल भर के सुख और अत्यधिक उपभोगवाद से संचालित होती है, उसमें योग वह आंतरिक स्पष्टता पैदा करता है, जिसकी जरूरत हमें अपनी असली जरूरतों और कभी न खत्म होने वाली इच्छाओं के बीच फर्क समझने के लिए होती है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा आयुष, दोनों मंत्रालयों से जुड़े मंत्री के तौर पर, मैं हर दिन यह देखता हूँ कि योग किस तरह गैर–संक्रामक रोगों (एनसीडी) के खिलाफ एक निवारक सार्वजनिक स्वास्थ्य साधन के रूप में काम करता है। शारीरिक गतिविधि, मानसिक संतुलन और अनुशासित जीवन शैली को बढ़ावा देकर, योग अस्वस्थ आदतों और अत्यधिक चिकित्सीय हस्तक्षेपों पर हमारी निर्भरता को कम करता है। एक योगिक जीवन शैली स्वाभाविक रूप से सादगी, संयम, संतुलित पोषण, कम बर्बादी और संसाधनों के सचेत उपयोग को बढ़ावा देती है, ठीक वही व्यवहारिक बदलाव, जो पर्यावरणीय स्थिरता के लिए जरुरी है।

भारत के जवाब ने दोनों की बोलती कर दी बंद

नीरज

दिल्ली में हुई क्वॉड देशों की बैठक ने चीन और पाकिस्तान की बेचैनी बढ़ा दी है। भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका ने एक सुर में पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए आतंकवाद पर करारा प्रहार किया तो पाकिस्तान तिलमिला उठा। दूसरी तरफ क्वॉड के मंच से चीन की विस्तारवादी चालों पर भी घेरा कस दिया गया। बस फिर क्या था, बौखलाए चीन और पाकिस्तान ने जम्मू–कश्मीर को लेकर जहरीला बयान जारी कर अपनी कुंठा बाहर निकालनी शुरू कर दी। लेकिन नए भारत ने भी बिना देर किए ऐसा तगड़ा पलटवार किया कि बीजिंग और इस्लामाबाद दोनों की बोलती बंद हो गई। भारत ने साफ और दो टूक शब्दों में कह दिया कि जम्मू–कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न अंग थे, हैं और हमेशा रहेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने चीन और पाकिस्तान के साझा बयान को पूरी तरह अनावश्यक और अस्वीकार्य बताते हुए स्पष्ट कर दिया कि किसी दूसरे देश की इतनी औकात नहीं कि वह भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करे। नई दिल्ली ने यह भी जता दिया कि भारत अब हर उकसावे का जवाब उसी की भाषा में देना जानता है। दरअसल पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की चीन यात्रा के दौरान जारी साझा बयान में चीन ने जम्मू–कश्मीर को तथाकथित इतिहास से जुड़ा विवाद बताने की कोशिश की। पाकिस्तान ने फिर वही पुराना राग अलापा और संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों की आड़ लेकर भारत के खिलाफ दुष्प्रचार करने की कोशिश की। लेकिन भारत ने तुरंत उनकी इस साजिश की ध ज्जियां उड़ा दीं। नई दिल्ली ने दोहराया कि जम्मू–कश्मीर पर भारत की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट और अटल है। दुनिया की कोई ताकत भारत की संप्रभुता को चुनौती नहीं दे सकती। भारत ने चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे पर भी बेहद कड़ा रुख अपनाया। विदेश मंत्रालय ने साफ कहा कि इस परियोजना का हिस्सा भारत की उस संप्रभु भूमि से गुजरता है जिस पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा कर रखा है। भारत ने दो टूक चेतावनी दी कि किसी भी देश को पाकिस्तान के इस गैरकानूनी कब्जे को वैधता देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह सीधा संदेश चीन के लिए था, जो पाकिस्तान के कंधे पर बंदूक रखकर भारत के खिलाफ चालें चलता रहता है। साथ ही नई दिल्ली ने चीन और पाकिस्तान के तथाकथित सीमा पार जल सहयोग के दावे की भी हवा निकाल दी। भारत ने तीखा सवाल पूछा कि जब चीन और पाकिस्तान की कोई साझा सीमा ही नहीं है तो फिर यह कथित सीमा पार जल सहयोग आखिर किस आधार पर हो रहा है। यह सवाल चीन की उस चालाक नीति पर जोरदार तमाचा है जिसके जरिये वह पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत को घेरने की नाकाम कोशिश करता रहता है। उधर, पाकिस्तान के प्रध ाानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईद के मौके पर भी जम्मू–कश्मीर का मुद्दा उठाकर अपनी हताशा जाहिर कर दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर तथाकथित भारतीय कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर का जिक्र किया। लेकिन सच यह है कि पाकिस्तान आज आर्थिक बर्बादी, आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय अलगाव से जूझ रहा है। दुनिया उसे आतंक फैलाने वाले देश के रूप में देखती है और अब वह चीन के सहारे भारत के खिलाफ बयानबाजी कर अपने लोगों को भरमाने की कोशिश कर रहा है। साथ ही चीन की भूमिका भी पूरी तरह दोहरी और स्वार्थी नजर आई। एक तरफ वह भारत के साथ संबंध ा सुधारने की बात करता है, दूसरी तरफ पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत की अखंडता पर सवाल उठाने की कोशिश करता है। लेकिन चीन को अब यह बात गांठ बांध लेनी चाहिए कि यह नया भारत है। अब भारत हर मंच पर आंख में आंख डालकर जवाब देता है और अपनी संप्रभुता पर किसी भी तरह की चोट बर्दाश्त नहीं करता। सच्चाई यही है कि पूरा का पूरा जम्मू–कश्मीर भारत का था, है और हमेशा रहेगा। पाकिस्तान ने जिस हिस्से पर अवैध ा कब्जा कर रखा है, वह भी भारत की ही भूमि है। चीन और पाकिस्तान दोनों को समझ लेना चाहिए कि भारत की अखंडता से खिलवाड़ करना बहुत भारी पड़ेगा। पाकिस्तान और चीन को यह भी समझना होगा कि आतंकवाद के सहारे और झूठे बयानों के दम पर इतिहास नहीं बदला जा सकता। भारत ने जिस मजबूती के साथ चीन और पाकिस्तान के साझा बयान को खारिज किया है, उसने दुनिया को साफ संदेश दे दिया है कि अब भारत किसी दबाव में आने वाला नहीं। पाकिस्तान और चीन चाहे जितनी साजिशें रच लें, लेकिन जम्मू–कश्मीर भारत का मुकुट है और इस मुकुट पर किसी की बुरी नजर कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राहुल गांधी से इतना डरती है भाजपा और सरकार

अनिल

पिछले दिनों पश्चिम एशिया में शुरू हुए युद्ध को लेकर जब राहुल ने भारत में भी ऊर्जा संकट और आर्थिक मंदी की चेतावनी दी, तो भाजपा नेताओं और मीडिया ने उनकी खूब खिल्ली उड़ाई। खुद मोदी ने पांच राज्यों में अपनी चुनावी रैलियों में राहुल की चेतावनी को खारिज करते हुए उन पर लोगों को डराने का आरोप लगाया। मगर चुनाव खत्म होते ही खुद मोदी ने मान लिया कि पश्चिम एशिया में युद्ध के चलते दुनिया भर में ऊर्जा का संकट पैदा हो गया है।वैसे तो भारतीय जनता पार्टी के तमाम बड़े नेता और केंद्रीय मंत्री अक्सर यह कहते पाए जाते हैं कि वे राहुल गांधी को बिल्कुल भी गंभीरता से नहीं लेते। मगर होता यह है कि राहुल गांधी जब भी भाजपा और उसकी सरकार, खास कर प्रध ाानमंत्री नरेन्द्र मोदी व उनके उद्योगपति मित्रों को लेकर कोई सवाल उठाते हैं या गंभीर आरोप लगाते हैं अथवा किसी बड़े संकट से सरकार को आगाह करते हैं या फिर चुनावी गड़बड़ियों को लेकर चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करते हैं, तो उनका जवाब देने के लिए भाजपा के तमाम बड़े नेता और केंद्रीय मंत्री मैदान में उतर जाते हैं। वे राहुल की बातों या उनके आरोपों का कोई तर्कसंगत जवाब देने के बजाय कभी उन्हें पागल, पप्पू, मूर्ख आदि विशेषणों से नवाजते हैं या उन्हें देशद्रोही, कभी चीन और जॉर्ज सोरोस का एजेंट तो कभी आतंकवादी तक करार देने लगते हैं।भाजपा नेताओं के इस अभियान में उसके प्रचारतंत्र का हिस्सा बन चुके कॉरपोरेट नियंत्रित मीडिया के साथ ही रिटायर हो चुके कुछ पत्रकार और संपादक भी बतौर राजनीतिक विश्लेषक शामिल हो जाते हैं। कुछ मौकों पर सुप्रीम कोर्ट व हाई कोर्ट के रिटायर जजों, पूर्व नौकरशाहों व सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों के समूह को तक भाजपा राहुल के खिलाफ मैदान में उतार देती है। ऐसे सेवानिवृत्त जजों और नौकरशाहों में कुछ तो ऐसे होते हैं, जिन पर उनके सेवाकाल में लगे भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों की जांच चल रही होती है और कुछ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की पृष्ठभूमि वाले होते हैं। यही नहीं, सोशल मीडिया में भाजपा ईकोसिस्टम भी पूरी सक्रियता से राहुल गांधी के चरित्र हनन में जुट जाता है।बात यहीं नहीं रुकती। राहुल गांधी के बयानों को लेकर उनके खिलाफ भाजपा शासित राज्यों में मुकदमे भी दर्ज करा दिए जाते हैं। किसी भी सामान्य व्यक्ति के लिए संगीन से संगीन अपराध की एफआईआर दर्ज कराना बेहद मुश्किल काम है, लेकिन राहुल के खिलाफ शिकायत चंद मिनटों में दर्ज हो जाती है। इतना ही नहीं, कुछ ही दिनों बाद उस एफआईआर के आधार पर निचली अदालत राहुल को समन भी जारी कर देती है। इस समय राहुल गांधी देश में अकेले ऐसे नेता हैं जिनके खिलाफ श्भावनाएं आहत करनेश के करीब 400 मुकदमे देश भर में दर्ज हैं। राहुल के बयानों को लेकर इस बहुआयामी कवायद में भाजपा की बौखलाहट और डर साफ नजर आता है।नोटबंदी, जीएसटी और कोरोना महामारी के समय राहुल द्वारा दी गई चेतावनियों को लेकर भी भाजपा ने ऐसा ही किया था। पिछले दिनों पश्चिम एशिया में शुरू हुए युद्ध को लेकर जब राहुल ने भारत में भी ऊर्जा संकट और आर्थिक मंदी की चेतावनी दी, तो भाजपा नेताओं और मीडिया ने उनकी खूब खिल्ली उड़ाई। खुद मोदी ने पांच राज्यों में अपनी चुनावी रैलियों में राहुल की चेतावनी को खारिज करते हुए उन पर लोगों को डराने का आरोप लगाया। मगर चुनाव खत्म होते ही खुद मोदी ने मान लिया कि पश्चिम एशिया में युद्ध के चलते दुनिया भर में ऊर्जा का संकट पैदा हो गया है, जो समूची अर्थव्यवस्था को गहरे तक प्रभावित कर रहा है। उन्होंने इस सिलसिले में लोगों से पेट्रोल–डीजल, रसोई गैस, खाद तेल, रासायनिक खाद आदि के इस्तेमाल में कटौती करने और कम से कम एक साल तक सोना खरीदने से बचने की अपील भी की। इस समय भी राहुल गांधी अपने एक बयान को लेकर पूरी केंद्र सरकार, भाजपा और मीडिया के निशाने पर हैं। राहुल ने अपनी पार्टी के एक कार्यक्रम में कहा कि वैश्विक स्तर पर बिगड़ते आर्थिक हालात से भारत भी अछूता नहीं है, जिसके चलते तेजी से बढ़ रही महंगाई और बेरोजगारी से लोगों में सरकार के प्रति असंतोष बढ़ता जा रहा है। इसका असर देश की राजनीति पर भी जल्द ही दिखाई देगा और मोदी सरकार गिर जाएगी। राहुल के इस बयान में भाजपा अपनी सरकार के खिलाफ साजिश सूंघ रही है और उसके तमाम बड़े–छोटे नेताओं के नथूने फड़फड़ा रहे हैं। तमाम केंद्रीय मंत्री, भाजपा के प्रवक्ता, टीवी चौनलों के एंकर और भाजपा समर्थक राजनीतिक विश्लेषक राहुल गांधी के इस बयान पर बुरी तरह उबलते हुए कह रहे हैं कि राहुल का यह बयान एक निर्वाचित सरकार और देश को अस्थिर करने की खतरनाक मानसिकता का सार्वजनिक प्रदर्शन है। राहुल के बयान पर यह प्रतिक्रिया बताती है कि भाजपा और उसकी सरकार का शीर्ष नेतृत्व हर मोर्चे पर अपनी नाकामी से उपज रहे व्यापक जन–असंतोष से बुरी तरह घबराया हुआ है और वह राष्ट्रवाद व देशभक्ति की दुहाई देते हुए उस असंतोष का दमन करने का इरादा रखता है। सेमुअल जानसन ने दो सौ साल पहले ठीक ही कहा था–श्देशभक्ति, दुष्टों की अंतिम शरणस्थली होती है।श राहुल की भविष्यवाणी में कितना दम है, यह एक अलग बात है लेकिन बहरहाल देश में मूर्खता और मक्कारी के अंतिम पायदान पर खड़े इन भाजपा नेताओं, टीवी चौनलों के एंकरों और सत्ता के दलाल कथित राजनीतिक विश्लेषकों को यह बताना लाजिमी है कि राहुल गांधी देश में पहले ऐसे नेता नहीं हैं जिन्होंने सरकार के गिरने की भविष्यवाणी की है। उनसे पहले भी कई मौकों पर विपक्षी नेताओं ने अपने समय की निर्वाचित सरकारों के गिरने की भविष्यवाणियां की हैं। वे भविष्यवाणियां सही साबित भी हुईं लेकिन किसी ने विपक्षी नेताओं

को देशद्रोही नहीं कहा या उन्हें देश को अस्थिर करने की साजिश में शामिल नहीं बताया। इस सिलसिले में सबसे पहला वाकया 1977 में बनी जनता पार्टी की सरकार के समय का है। उस सरकार के बनने के कुछ समय बाद जनता पार्टी के नेताओं में आपसी सिर–फुटौव्वल शुरू हो गई थी। तब इंदिरा गांधी सहित कांग्रेस के कई नेता आए दिन कहते थे कि यह सरकार जल्दी ही गिर जाएगी और वह सरकार ढाई साल में गिर भी गई थी। उसके बाद कांग्रेस के समर्थन से बनी चौधरी चरण सिंह की सरकार के बारे में भी यही कहा गया और उस सरकार का भी चंद महीनों में ही अवसान हो गया। ऐसी ही भविष्यवाणी 1989 में भाजपा और वामपंथी दलों के बाहरी समर्थन से बनी विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार के लिए भी की गई थी। उस समय कांग्रेस के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि यह सरकार जल्दी ही गिर जाएगी और हुआ भी वही। वह सरकार महज 11 महीने ही चल पाई। उसके बाद कांग्रेस के समर्थन से बनी चंद्रशेखर की सरकार का भी ऐसा ही हश्र हुआ।बाद में 1996–1997 के दौरान देश में तीन सरकारें बनीं और तीनों के बारे में उस समय के विपक्षी नेताओं व राजनीतिक विश्लेषकों ने उनके जल्दी ही गिरने की भविष्यवाणी की, जो सही साबित भी हुई। पहली सरकार अटल बिहारी वाजपेयी की, महज 13 दिन में गिर गई। उसके बाद एचडी देवगौड़ा और इंद्रकुमार गुजराल की अगुवाई में बनी संयुक्त मोर्चा की सरकारें भी एक–एक साल से ज्यादा नहीं चल पाईं। दोनों सरकारों के समय भाजपा मुख्य विपक्षी पार्टी थी और उसके शीर्ष नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने सरकार बनने के साथ ही कह दिया था कि ये सरकारें ज्यादा दिन नहीं चलेंगी लेकिन किसी ने भी वाजपेयी को देशद्रोही नहीं कहा था। बाद में 1998 में वाजपेयी की अगुवाई में 26 छोटी–बड़ी पार्टियों के गठबंधन की सरकार बनी थी। उस सरकार के पास पूर्ण बहुमत था लेकिन वह सरकार भी महज 13 महीने ही चल पाई थी।

नेहरू और पटेल को बैलों की एक जोड़ी के रूप में देखते थे गांधीजी

एल.एस. हरदेनिया

दुर्गादास दूसरे खंड के अंत में गांधी, पटेल और नेहरू का महत्वपूर्ण शब्दों में मूल्यांकन करते हैं। वे लिखते हैंरू श्गांधी ने टार्च जलाई, नेहरू गांधी के टार्चबियरर थे, पटेल ने टार्च को मसाला दिया। गांधी में लोगों को सम्मोहित करने की ताकत थी, नेहरू में जनता को आकर्षित करने की शक्ति थी और पटेल में सभी चीजों को व्यवस्थित करने की अद्भुत क्षमता थी।श नेहरू और पटेल एक दूसरे के पूरक थे। नेहरू का वैचारिक आधार फेबियन समाजवाद की विचारधारा थी जिसके अनुसार संसदीय लोकतंत्र मानवीय आकांक्षाओं की पूर्ति का सबसे अधिक शक्तिशाली साधन है। वहीं सरदार पटेल मानव मनोविज्ञान के अध्येता थे। उन्होंने उन आधारों को समझने का प्रयास किया था जिनसे ब्रिटिश साम्राज्य को सफलता मिली।श्ये शब्द हैं सुप्रसिद्ध पत्रकार दुर्गादास के जो उन्होंने सरदार पटेल के पत्र व्यवहार के दसवें खंड की भूमिका में लिखे हैं। दुर्गादास ने दस पृथक खण्डों में सरदार पटेल के पत्र व्यवहार को संकलित किया है। इन पुस्तकों से जहां हमें पटेल और नेहरू के मतभेदों के बारे में जानकारी मिलती है वहीं यह तथ्य भी उजागर होता है कि तमाम मतभेदों के बावजूद दोनों के बीच पारस्परिक स्नेह और सम्मान का धागा कितना मजबूत था। पत्र व्यवहार के दसवें खंड में सरदार पटेल की पुत्री मनीबेन पटेल ने सरदार पटेल और नेहरू के बारे में महात्मा गांधी की धारणा को उद्धत किया है। मनीबेन लिखती हैं श्गांधीजी पटेल और नेहरू को बैलों की जोड़ी कहते थे। इन दोनों बैलों की जोड़ी ही राष्ट्र के भार को खींचती थी।श्दुर्गादास सरदार पटेल के इंदौर में दिए गए एक भाषण का उल्लेख करते हैं। इंदौर में वर्ष 1950 में एक सभा को संबोधित करते हुए पटेल ने कहा था श्कांग्रेस अपनी पूरी ताकत से नेहरू के साथ है।श नेहरूजी को संबोधित एक पत्र में पटेल, गांधी की सलाह का उल्लेख करते हैं। गांधी ने सलाह दी थी कि दोनों (नेहरू और पटेल) को राष्ट्रहित की खातिर मिलकर चलना है। यदि ऐसा नहीं होता है तो यह देश के लिए खतरनाक होगा।पटेल नेहरू को लिखते हैं, श्मैंने बापू के इस अंतिम परामर्श पर पूरी मुस्तैदी से अमल किया है। इस परामर्श के

अनुसार मैंने आपका पूरी मजबूती से साथ दिया है। यद्यपि इसके बावजूद मैं आपको समय–समय पर अपने विचारों से बिना किसी हिचक के अवगत कराता रहा हूं। मैं पूरी तरह से आपके प्रति वफादार रहा हूं। अनेक अवसरों पर हमारे बीच मतभेद हुए हैं। कभी–कभी इन मतभेदों ने गंभीर रूप भी लिया है। इसके बावजूद हमने राष्ट्र के हित में नीति निर्धारण की प्रक्रिया में इन मतभेदों को रोड़ा नहीं बनने दिया है।श इस बीच पटेल की तबियत खराब हो गई। पटेल बंबई चले गए। नेहरू ने उन्हें पत्र लिखकर कहा कि वे पूरी तरह से अपने स्वास्थ्य के प्रति ध्यान दें। वे उन समस्याओं को पूरी तरह से भूल जाएं जिनका सामना देश को करना पड़ रहा है।भारत के अंतिम ब्रिटिश वायसराय माउंटबेटन ने 16 अप्रैल 1950 को पटेल को एक पत्र लिखा। इस पत्र में उन्होंने विशेष रूप से इस बात का उल्लेख किया कि श्आप भारत के सर्वाधिक शक्तिशाली व्यक्ति हैं। आपके समर्थन और सहयोग के चलते नेहरू कभी भी असफल नहीं होंगें। आप जो समर्थन नेहरू को दे रहे हैं उसका न सिर्फ राष्ट्रीय वरन अंतरराष्ट्रीय महत्व हैश। वैसे सरदार पटेल को कांग्रेस के बहुमत का समर्थन प्राप्त था परंतु अपने बिगड़ते हुए स्वास्थ्य के कारण वे देश की पूरी जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते थे। पटेल की स्पष्ट राय थी कि नेहरूजी की दुनिया भर में जो प्रतिष्ठा है वह देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। वे नेहरू को पूरा सहयोग देने के लिए प्रस्तुत थे किंतु उनका एक ही तर्क था कि नेहरू को जरा व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए– विशेषकर मुसलमानों के बारे में। पटेल ने शेख अब्दुल्ला के रवैये के बारे में नेहरू को अनेक बार चेतावनी दी थी।इस तरह ऐसे कुछ मुद्दे थे जिनको लेकर दोनों में मतभेद थे। परंतु पटेल इस बात को महसूस करते थे कि नेहरू को जनता का अगाध स्नेह प्राप्त था। सच पूछा जाए तो नेहरू ही भारत थे और इसलिए देश के बुनियादी हितों के मद्देनजर पटेल ने नेहरू को बिना शर्त समर्थन दिया। सरदार पटेल की एक जीवनी प्रसिद्ध आईसीएस अधिकारी केवल एल. पंजाबी ने लिखी है। इस जीवनी का शीर्षक है श्द इनडोमीटेबिल सरदारश। इस पुस्तक में इस बात का उल्लेख किया गया है कि हिन्दू–मुस्लिम प्रश्न पर पटेल और महात्मा गांधी के बीच भी मतभेद थे। परंतु इन मतभेदों के बावजूद पटेल ने हमेशा गांधी को अपना गुरू माना और स्वयं को उनका चेला। पटेल और नेहरू की चर्चा करते हुए गांधी हमेशा कहा करते थे कि मेरे दो पुत्र हैं– जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभ भाई पटेल। दोनों को मेरा बराबर का स्नेह प्राप्त है। दोनों पर मेरा बराबर का भरोसा है। गांधी का विश्वास था कि दोनों मिलकर भारत का नेतृत्व करेंगे। अन्य बातों के अतिरिक्त आरएसएस को लेकर नेहरू और पटेल में मतभेद थे। नेहरूजी संघ को एक खतरनाक संगठन मानते थे। पटेल की मान्यता थी कि संघ का मत परिवर्तन किया जा सकता है। इसके बावजूद पटेल ने संघ के नेताओं से यह स्पष्ट कह दिया था कि वे अपना आक्रामक रवैया छोड़ दें और कानून अपने हाथ में न लें।दुर्गादास दूसरे खंड के अंत में गांधी, पटेल और नेहरू का महत्वपूर्ण शब्दों में मूल्यांकन करते हैं। वे लिखते हैंरू श्गांधी ने टार्च जलाई, नेहरू गांधी के टार्चबियरर थे, पटेल ने टार्च को मसाला दिया। गांधी में लोगों को सम्मोहित करने की ताकत थी, नेहरू में जनता को आकर्षित करने की शक्ति थी और पटेल में सभी चीजों को व्यवस्थित करने की अद्भुत क्षमता थी। इस तरह तीनों ने आजादी हासिल करने और आजाद भारत के विकास में जबरदस्त भूमिका निभाई। श्पटेल ने देश को एक किया और प्रशासनिक ढांचा दिया। नेहरू ने देश की आदर्शवादी वैचारिक नींव डाली और दुनिया में देश को एक नैतिक शक्ति के रूप में स्थान दिलवाया। श्अंतिम नतीजा यह है कि इतिहास में कभी भी इन तीनों (गांधी, नेहरू व पटेल) के योगदान को कम करके न आंका जाए (जैसा कि किया जा रहा है)श। आशा है आज का नेतृत्व सुप्रसिद्ध पत्रकार दुर्गादास की इस चेतावनी को याद रखेगा।

सरस्वती डेंटल कॉलेज और अस्पताल का तंबाकू नियंत्रण केंद्र बना मिसाल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सरस्वती डेंटल कॉलेज और अस्पताल ने तंबाकू नियंत्रण और नशा मुक्ति की दिशा में एक प्रभावशाली और जनहितकारी पहल करते हुए अपने "टोबैको सेसेशन सेंटर (टी.सी.सी.) के माध्यम से हजारों लोगों को जागरूक और लाभान्वित किया है। संस्थान द्वारा विकसित यह केंद्र अब उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देशभर के चिकित्सा एवं दंत संस्थानों के लिए प्रेरणास्रोत बनता जा रहा है। संस्थान के ओरल मेडिसिन एवं रेडियोलॉजी विभाग द्वारा वर्ष २०१४ में "टोबैको इंटरवेंशन इनिशिएटिव" की शुरुआत की गई थी, जिसे जून २०१८ में औपचारिक रूप से "टोबैको सेसेशन सेंटर" के रूप में विकसित किया गया। यह केंद्र तंबाकू सेवन करने वाले मरीजों की पहचान, परामर्श, प्रारंभिक जांच, आधुनिक परीक्षण एवं उपचार की समग्र व्यवस्था प्रदान करता है। कॉलेज प्रशासन के अनुसार अब तक २१,००० से अधिक लोगों को तंबाकू छोड़ने हेतु परामर्श एवं उपचार प्रदान किया जा चुका है। केंद्र में आने वाले मरीजों की स्क्रीनिंग कर मुख कैंसर एवं अन्य तंबाकू जनित बीमारियों की प्रारंभिक पहचान की जाती है। इसके लिए स्मोकर्लाइजर, सैलिवरी कोटिनिन टेस्ट, रेडियोलॉजिकल जांच, बायोप्सी तथा विभिन्न लैब जांचों का उपयोग किया जाता है। विशेष बात यह है कि यह केंद्र केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यवहार परिवर्तन, मनोवैज्ञानिक परामर्श, औषधीय उपचार, लेजर थेरेपी एवं आवश्यकतानुसार सर्जिकल प्रबंधन को भी शामिल करता है। संस्थान का यह बहुआयामी दृष्टिकोण मरीजों को तंबाकू की लत से बाहर निकालने में प्रभावी सिद्ध हो रहा है। इस पहल में केंद्र द्वारा राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एन.टी.सी.पी.) के साथ भी सहयोग किया जा रहा है। साथ ही विश्व तंबाकू निषेध दिवस, विश्व कैंसर दिवस एवं विभिन्न जागरूकता अभियानों के माध्यम से समाज में तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाई जा रही है। कॉलेज में बीडीएस छात्रों, इंटर्न्स एवं परास्नातक छात्र–छात्राएँ को भी विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे भावी दंत चिकित्सकों को तंबाकू नियंत्रण एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील बनाया जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि सरस्वती डेंटल कॉलेज और अस्पताल द्वारा विकसित इस केंद्र की कार्यप्रणाली एवं प्रक्रिया को भविष्य में देशभर के मेडिकल एवं डेंटल संस्थानों में लागू किया जा सकता है, जिससे तंबाकू जनित रोगों की रोकथाम एवं स्वास्थ्य संरक्षण को नई दिशा मिलेगी।

राहुल गांधी के बाद अमेठी में स्मृति ईरानी की दस्तक, स्वागत और मुलाकातों से गरमाई सियासत

लखनऊ, (संवाददाता)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के हालिया दौरे के बाद अब पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के अमेठी पहुंचने से जिले की सियासत फिर चर्चा में आ गई है। बुधवार को जिले की सीमा पर पहुंचते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूल–मालाओं और नारों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए। स्मृति ईरानी मुसाफिरखाना में आयोजित कार्यकर्ताओं के

प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं से लगातार जनसंपर्क बनाए रखने पर जोर दिया। उनके आगमन से भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। दौरे के दौरान वह सिंहपुर ब्लॉक क्षेत्र के पूरे ठकुराइन मजरे मत्तेपुर गांव भी पहुंचीं। यहां वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश तिवारी के भाई बृजेश तिवारी के निधन पर उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने परिवार को ढांढस बंधाया और कुछ समय तक परिजनों के बीच रहीं। राजनीतिक गलियारों में स्मृति ईरानी के इस दौरे को काफी अहम माना जा रहा है। कुछ दिन पहले राहुल गांधी ने अमेठी पहुंचकर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था। अब स्मृति ईरानी की सक्रियता को भाजपा की ओर से संगठन और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

सार्थक और शाहरुख बने आकर्षण का केंद्र, खदरा बकरा मंडी में उमड़ी भीड़

लखनऊ, (संवाददाता)। बकरीद से दो दिन पहले मंगलवार को बाजारों में जबरदस्त रौनक दिखाई दे रही है। शहर की बकरा मंडियों से लेकर मसाला, सेवई और कुर्बानी में प्रयोग होने वाले सामान बेचने वाली दुकानों तक लोगों की भीड़ उमड़ रही है। इसके चलते चौक, नक्खास, अकबरी गेट, अमीनाबाद और खदरा बकरा मंडी इलाके देर रात तक गुलजार रहे। खदरा बकरा मंडी में करीब 25 किलोमीटर दूर से पहुंचे रामसनेही के बाबरी नस्ल का सफेद और लंबे सींग वाला बकरा लोगों का ध्यान खींच रहां है। बकरे का नाम 'सार्थक' बताया गया, जिसकी कीमत 45 हजार रुपये मांगी जा रही थी। वहीं मंडी में 50 हजार रुपये कीमत का 'शाहरुख' नाम का बकरा खरीदकर ले जाते चौक के सैफ को सभी एक पल निहार रहे थे। उसे आकर्षक तरीके से सजाया गया था। इस

बकरे के साथ लोग फोटो और वीडियो बनाते दिखाई दिए। मंडी में दूरदराज इलाकों से लोग बोलेरो पिकअप और अन्य वाहनों से बड़ी संख्या में बकरे लेकर पहुंचे हैं। व्यापारियों को उम्मीद है कि बकरीद में अब सिर्फ एक दिन बाकी होने के कारण उन्हें अच्छे दाम मिलेंगे। शाम होते ही मंडियों में खरीदारों की भीड़ और मोलभाव का दौर तेज हो गया। चौक इलाके की कंघी वाली गली के पास कुर्बानी में इस्तेमाल होने वाले चाकू, छुरी, चापड़ और मुगदर की कई दुकानें भी सज गई हैं। दुकानदारों के अनुसार चापड़ 500 रुपये तक और छुरी 100 से 200 रुपये में बिक रही है। धार तेज कराने वालों के यहां भी लोगों की भीड़ लगी रही। सेवई, गरम मसाले और सूखे मेवों की दुकानों पर मुस्लिम महिलाएं और पुरुष खरीदारी करते नजर आए।

दीप यज्ञ और श्रद्धांजलि गीतमाला के साथ मनाई ग्रापए के संस्थापक बाबू बालेश्वर लाल जी की पुण्यतिथि

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

बेंगलुरु। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के संस्थापक बाबू बालेश्वर लाल जी की 39वीं पुण्यतिथि ब्रिगेड पार्क साइड ईस्ट के सभागार में दीप यज्ञ और श्रद्धांजलि गीतमाला के साथ मनाई गई। मुख्य अतिथि गायत्री परिवार कर्नाटक के कोऑर्डिनेटर शेखर चतुर्वेदी ने दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याएं प्रकाशित कर शासन तक पहुंचाने में ग्रामीण पत्रकारों की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। विशिष्ट अतिथि योगेंद्र अग्रहरि ने पुष्पांजलि अर्पित की। विशेष आमंत्रित अतिथि गोपाल अग्रवाल एवं शंकर तिवारी ने देव मंच पर मुख्य कलश का पूजन किया। अनुपमा एवं रेखा सक्सेना ने गुरु पूजन व देव पूजन किया। गायत्री गोयल के भक्ति गीतों ने समां बांधा दिया। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष अतुल कपूर ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को उत्तर प्रदेश के नूरपुर(बिजनौर) में संपन्न हुए पत्रकार सम्मेलन की स्मारिका ग्राम्य गौरवश भेंट की। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन गोवा के प्रभारी एवं कर्नाटक के कोषाध्यक्ष गोविंद रविशंकर ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गीत प्रस्तुत किया श्ओ जाने वाले हो सके तो लौट के आनाश। अतुल कपूर ने उपस्थित पत्रकारों एवं साहित्य प्रेमियों को संबोधित करते हुए कहा कि बाबू बालेश्वर लाल जी ने उत्तर प्रदेश के एक छोटे से कस्बे गडवार से जो दीप प्रज्वलित किया, उसकी किरणें अब दक्षिण भारत के पत्रकारों को भी प्रकाश बांट रही हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में सात राज्यों में विधिवत प्रदेश कार्यकारिणी का गठन हो चुका है तथा पांच राज्यों के प्रदेश संयोजक मनोनीत किया जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि श्जो औरों के हित मरता है जो औरों के हित जीता है। उसका हर आंसू रामायण, प्रत्येक कर्म ही गीता है। दीप यज्ञ का संचालन गायत्री चेतना केंद्र की टोली के आचार्य कमलेश खरे, गायत्री गोयल एवं दिलीप गोयल ने किया। वैदिक मत्रों के साथ जब एक साथ सैकड़ो दीप जले तो उस समय अपर्णा द्वारा प्रस्तुत गीत श्ज्योति कलश छलकेश अत्यंत सराहनीय रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अंशुल शर्मा, अर्पित दीक्षित, केवल, गोविंद शास्त्री, स्मिता कपूर, सोनाली टंडन, प्रियंका, गीता, पंकज सिंह आनंद कृष्णा, गौरी, वेंकट रमन आदि का विशेष योगदान रहा।

खेती की जमीन को लीज पर देने के नियम होंगे सरल, आसानी से मिलेगा बैंक कर्ज

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में खेती की जमीन लीज पर देने के नियम आसान बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। भारतीय रिजर्व बैंक, सार्वजनिक एवं निजी बैंकों के साथ हुई शासन व वित्त विभाग के अधिकारियों की बैठक में नीति आयोग के मॉडल एग्रीकल्चरल लैंड लीजिंग एक्ट–2016 को लागू करने पर विचार किया गया है। प्रस्ताव के तहत भूमिहीन, बटाईदार और किरायेदार किसानों को कानूनी मान्यता देकर बैंक ऋण, फसल बीमा और सरकारी योजनाओं के लाभ से जोड़ा जा सकता है। सुझाव दिया कि एक्ट के मौजूदा प्रतिबंधों में ढील देकर लीज पर खेती करने वालों को तीन वर्ष की वैधता वाला लोन एलिजिबिलिटी कार्ड जारी किया जाए, जिससे वे बिना भूमि स्वामित्व दस्तावेज के और बिना भूमि को गिरवी रखे ऋण ले सकें। प्रदेश में 2.38 करोड़ से अधिक जोतधारक और औसत 0.73 हेक्टेयर जोत आकार होने के कारण ये सुधार किसानों के लिए महत्वपूर्ण होंगे। सुरक्षा देना और उन्हें बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ना है। इसके तहत जमीन मालिक अपनी कृषि भूमि लीज पर दे सकेगा, जबकि खेती करने वाले

किसान को भूमि पर निर्बाध कब्जे और उपयोग का अधिकार मिलेगा। वर्ष 2016 में राजस्व संहिता में संशोधन कर ऐसे प्रावधान यूपी में किए गए थे, जिनके तहत दिव्यांग या खेती करने में असमर्थ व्यक्ति अपनी भूमि अधिकतम तीन वर्ष के लिए लीज पर दे सकते हैं। हालांकि, यह व्यवस्था सीमित दायरे में है। बैठक में भूमि अभिलेखों को आधार से जोड़ने तथा बैंकों को ऑनलाइन चार्ज सृजित करने की सुविधा देने का भी प्रस्ताव रखा गया। अधिकारियों का मानना है कि इससे एक ही भूमि पर कई बार ऋण लेने की प्रवृत्ति पर रोक लगेगी और वास्तविक लाभार्थियों की पहचान आसान होगी। वित्त विभाग के अधिकारियों के अनुसार प्रस्ताव पर आगे विस्तृत अध्ययन और कानूनी परीक्षण किया जाएगा।

संकटमोचन के दरबार में उमड़ी आस्था

लखनऊ, (संवाददाता)। नौतपा की झुलसाती गर्मी के बीच ज्येष्ठ माह के चौथे बड़े मंगल पर राजधानी पूरी तरह बजरंगबली की भक्ति में सराबोर नजर आई। प्रमुख हनुमान मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। जगह–जगह भंडारों का आयोजन हुआ। मंदिर परिसरों में दिनभर हनुमान चालीसा और सुंदरकांड के पाठ की गूंज सुनाई देती रही। हनुमान सेतु स्थित श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर में भव्य श्रृंगार, आरती, भोग और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। वहीं लेटे हुए हनुमान जी मंदिर में भीषण गर्मी से राहत की कामना के साथ बजरंगबली को खस के शरबत का भोग लगाया गया। सुबह मंगला आरती के बाद हनुमान जी को सिंदूर का चोला चढ़ाकर विशेष शृंगार किया गया। मुख्य सेवादार डॉ. विवेक तांगड़ी ने आरती उतारी। अलीगंज के नए हनुमान मंदिर में श्रद्धालुओं के बीच गुड़–धनिया का प्रसाद वितरित किया गया। कैसरबाग स्थित हनुमंत धाम मंदिर में महंत रामसेवक दास की अगुवाई में पूजा–अर्चना, भोग और प्रसाद वितरण हुआ। अलीगंज के पुराने हनुमान मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। प्राचीन श्री लेटे हुए हनुमान जी मंदिर में आयोजित भंडारे में पूड़ी–सब्जी, हलवा, ओआरएस और ठंडा लाहौरी जीरा वितरित किया गया। शाम को श्री हनुमान कथा का आयोजन भी हुआ। सेवा कार्य में डॉ. पंकज सिंह भदौरिया, रिद्धि किशोर गौड़, आशीष अग्रवाल, अखिलेश कुमार, सुरेंद्र, अजय मेहरोत्रा और प्रहलाद अग्रवाल सहित कई श्रद्धालु मौजूद रहे। बीबीडी ग्रुप एवं डॉ. अखिलेश दास गुप्ता फाउंडेशन की ओर से आयोजित भंडारे में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। बीबीडी ग्रुप के प्रेसिडेंट, बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट तथा यूपी ओलंपिक संघ के अध्यक्ष विराज सागर दास ने प्रसाद वितरित किया। बीबीडी ग्रुप की चेयरपर्सन अलका दास, देवांशी दास, सोनाक्षी दास, भाजपा पार्षद राजेश दीक्षित, राजेंद्र नगर पार्षद सात्विक दीक्षित समेत कई लोग मौजूद रहे। विराज सागर दास ने कहा कि ऐसे आयोजन आस्था और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। जमायरा बिल्डकॉन प्रा. लि. की ओर से भंडारे का आयोजन हुआ। राजेंद्र सिंह बग्गा और चरनप्रीत सिंह बग्गा ने बजरंगबली के चित्र के समक्ष दीप जलाकर शुभारंभ किया। खुरदही बाजार सुल्तानपुर रोड स्थित एएस. हेल्थ केयर हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर में भंडारे का आयोजन हुआ। संचालक डॉ. आलोक सिंह ने पूड़ी–सब्जी, छोला–चावल और बूंदी का प्रसाद वितरित कराया। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में सुंदरकांड पाठ एवं भंडारे का आयोजन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। सुंदरकांड का पाठ किया। पूर्व विधायक श्यामकिशोर शुक्ल, अनुसुइया शर्मा, वेद प्रकाश त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

एसएससी जीडी परीक्षा में धांधली के आरोपों पर आप का हमला, युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ का आरोप

लखनऊ, (संवाददाता)। एसएससी जीडी परीक्षा में कथित प्रश्नपत्र लीक, धांधली और कुप्रबंधन के आरोपों को लेकर आम आदमी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने कहा कि लगातार प्रतियोगी परीक्षाओं में सामने आ रही अव्यवस्थाओं से यह स्पष्ट हो गया है कि परीक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है और युवाओं का भविष्य संकट में डाला जा रहा है। वंशराज दुबे ने कहा कि समाचार माध्यमों में एसएससी जीडी परीक्षा से जुड़े गंभीर मामलों का खुलासा हुआ है। ग्रेटर नोएडा और रांची सहित कई स्थानों पर ऐसे गिरोहों का पर्दाफाश होने की बात सामने आई है, जो अभ्यर्थियों से लाखों रुपये लेकर परीक्षा पास कराने का दावा कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि जांच एजेंसियों द्वारा नकदी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और परीक्षा से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए हैं तथा तकनीकी माध्यमों से धांधली और प्रश्नपत्र लीक के आरोप सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा विवाद के बाद एसएससी जीडी परीक्षा पर उठे सवाल युवाओं के भरोसे को और कमजोर करने वाले हैं।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है और कई जिलों में तापमान 45 डिग्री के पार पहुंच रहा है। ऐसे में गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के छात्र लंबी दूरी तय कर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचे, लेकिन कई स्थानों पर उन्हें परीक्षा रद्द होने, अव्यवस्था और धांधली के आरोपों का सामना करना पड़ा। इसे उन्होंने छात्रों के साथ अमानवीय व्यवहार और मानसिक प्रताड़ना बताया।वंशराज दुबे ने आरोप लगाया कि भर्ती परीक्षाओं को मजाक बनाकर रख दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शायद ही कोई ऐसी भर्ती परीक्षा बची हो जिस पर विवाद न हुआ हो। कहीं प्रश्नपत्र लीक हो जाता है, कहीं व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है और कहीं परीक्षा केंद्रों पर कुप्रबंधन छात्रों के भविष्य पर असर डालता है। उन्होंने दावा किया कि कई परीक्षा केंद्रों पर क्षमता से अधिक अभ्यर्थियों को बुलाया गया, जबकि मूलभूत व्यवस्थाएं भी पर्याप्त नहीं थीं।उन्होंने लखनऊ, प्रयागराज समेत विभिन्न जनपदों में सामने आई घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि परीक्षा रद्द होने और अव्यवस्थाओं ने छात्रों के धैर्य की परीक्षा ले ली है।

संक्षिप्त खबरें

प्रदेश को जल्द मिल सकते हैं 29 नए भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी, प्रस्ताव आयोग को भेजा गया

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पुलिस सेवा के 29 अधिकारियों को जल्द भारतीय पुलिस सेवा संवर्ग में पदोन्नति मिलने की संभावना है। इसके लिए रिक्त पदों के सापेक्ष तीन गुना अधिक अधिकारियों के नाम संघ लोक सेवा आयोग को भेज दिए गए हैं। यदि आयोग की ओर से प्रस्ताव पर कोई आपत्ति नहीं की जाती है तो अगले महीने प्रदेश को 29 नए पदोन्नत भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी मिल सकते हैं।जानकारी के अनुसार, आयोग द्वारा वर्ष 1998, 1999 और 2000 बैच के अधिकारियों की पदोन्नति की जानी है। हालांकि, निर्धारित प्रक्रिया के तहत रिक्त पदों के मुकाबले तीन गुना अधिक नाम भेजने की बाध्यता के कारण वर्ष 2001 बैच के कुछ अधिकारियों के नाम भी सूची में शामिल किए गए हैं।प्रस्तावित अधिकारियों में शोएब इकबाल, सत्यपाल सिंह, राहुल मिठास, आलोक कुमार शर्मा, राजकुमार, महेश सिंह अत्री, विनीत भटनागर, दीपिका अग्निहोत्री, जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव, शशि शेखर सिंह, कुलदीप सिंह, ज्ञानेंद्र नाथ प्रसाद, हरेंद्र प्रताप यादव, रफीक अहमद, बंशराज सिंह यादव, कृष्ण गोपाल, मधुवन कुमार सिंह, कपिल देव सिंह, बलवंत कुमार चौधरी, राहुल श्रीवास्तव, राजेश कुमार पांडेय, प्रीति बाला गुप्ता, विकास चंद्र त्रिपाठी, पूर्णेंदु सिंह, हरेंद्र कुमार, मार्तण्ड प्रताप सिंह, अभय नाथ त्रिपाठी, पवित्र मोहन त्रिपाठी, देवेश कुमार शर्मा, प्रशांत कुमार प्रसाद, अरविंद कुमार, सिद्धार्थ वर्मा, विनय चंद्रा, राजेश कुमार भारतीय, शुभ्रा भास्कर और प्रवीण सिंह चौहान के नाम शामिल हैं।पदोन्नति प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन अधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा संवर्ग में शामिल किया जाएगा, जिससे प्रदेश पुलिस के उच्च प्रशासनिक ढांचे को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

आशियाना में महिला की हत्या, आरोपी पति हिरासत में

लखनऊ, (संवाददाता)। आशियाना क्षेत्र के बंगला बाजार स्थित बगिया इलाके में एक महिला की कथित रूप से गला दबाकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है।पुलिस के अनुसार, आशियाना थाना क्षेत्र में सूचना प्राप्त हुई कि एक महिला की उसके पति द्वारा हत्या कर दी गई है। सूचना पर पुलिस उपायुक्त मध्य के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्रित करने के लिए वैज्ञानिक जांच दल को भी बुलाया गया।मृतका की पहचान निशा शर्मा उर्फ ऊषा शर्मा (करीब 40 वर्ष) निवासी बगिया, बंगला बाजार के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी और प्राप्त तहरीर के आधार पर आशियाना थाने में सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है।पुलिस ने आरोपी पति सतीश शर्मा को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं, शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

चौथे बड़े मंगल पर कांग्रेस का सुंदरकांड पाठ और विशाल भंडारा, अजय राय ने बांटा प्रसाद

लखनऊ, (संवाददाता)। ज्येष्ठ माह के चतुर्थ बड़े मंगल के अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से सुंदरकांड पाठ एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय ने भगवान हनुमान की पूजा–अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना की।कार्यक्रम के दौरान सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसके उपरांत विशाल भंडारे में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। अजय राय ने स्वयं श्रद्धालुओं को प्रसाद बांटा और आयोजन में शामिल लोगों का अभिवादन किया।अजय राय ने कहा कि ज्येष्ठ माह के बड़े मंगल पर पूजा–अर्चना और भंडारे की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है, जो ईश्वर के प्रति श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सेवा, समर्पण और सद्भाव का संदेश देते हैं। कांग्रेस पार्टी सदैव समाज के सभी वर्गों के साथ मिलकर धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजनों में सहभागिता करती रही है। इन आयोजनों से मन को शांति मिलती है और आस्था अधिक प्रगाढ़ होती है।गंगा दशहरा के पावन अवसर पर अजय राय ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख, समृद्धि और उन्नति की कामना की।कार्यक्रम में श्यामकिशोर शुक्ल, अनुसुइया शर्मा, विनोद चंद्रा, वीरेन्द्र मदान, द्विजेन्द्र त्रिपाठी, प्रमोद सिंह, रमेश मिश्रा, एचएल दुसाध, केके शुक्ला, राजेन्द्र पाण्डेय, बंशीधर मिश्रा, विजय बहादुर, पंकज तिवारी, बृज मौर्य, नरेन्द्र दत्त त्रिपाठी, आशुतोष मिश्रा, संजय सिंह, सुरेन्द्र यादव, विनोद मिश्रा, कुलदीप दिवाकर, हनीफ खान, ऋचा कौशिक, अनामिका यादव, सुशीला शर्मा, तनवीर फातिमा, वेद प्रकाश त्रिपाठी, रजनीश यादव, बिशम सिंह, विकास श्रीवास्तव, अजीत मौर्य, वीरेन्द्र पाल सिंह बिट्टू, नीरज तिवारी, सर्वेश श्रीवास्तव, पंकज शुक्ला, केडी शुक्ला, राकेश पाण्डेय, वसीउल्ला आजाद और वासुदेव यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन और श्रद्धालु मौजूद रहे। कार्यक्रम में राजेश जायसवाल की विशेष सहभागिता रही।

चौथे बड़े मंगल पर उप मुख्यमंत्री ने बांटा प्रसाद, प्रदेश की सुख–समृद्धि की कामना की

लखनऊ, (संवाददाता)। ज्येष्ठ माह के चतुर्थ बड़े मंगल के पावन अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य हजरतगंज स्थित प्राचीन दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर के निकट आयोजित भंडारे में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने भगवान हनुमान की पूजा–अर्चना कर प्रदेश और देश की सुख–समृद्धि, खुशहाली तथा जनकल्याण की कामना की।उप मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में शीश नवाकर बजरंगबली से सभी नागरिकों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बने रहने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि पवनपुत्र हनुमान की कृपा से सभी के जीवन में आरोग्य, उत्साह और समृद्धि का प्रकाश सदैव बना रहे।इस अवसर पर राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवीन्द्र जायसवाल द्वारा आयोजित भंडारे में उप मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं और भक्तों को प्रसाद वितरित किया तथा स्वयं भी प्रसाद ग्रहण किया।मंदिर परिसर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और भक्तों की उपस्थिति रही।

उन्नाव में मॉडर्न एनजीओ द्वारा एफपीओ कंपनियों को उत्पाद विपणन एवं फूड प्रोसेसिंग का प्रशिक्षण

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। किसानों की आय बढ़ाने तथा किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीओ) को आधुनिक कृषि व्यवसाय से जोड़ने के उद्देश्य से मॉडर्न एनजीओ द्वारा एक विशेष प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन उन्नाव जिले मे किया गया।कार्यक्रम का मुख्य विषय "उत्पाद विपणन, ब्रांडिंग एवं फूड प्रोसेसिंग" रहा, जिसमें जिले के विभिन्न एफपीओ प्रतिनिधियों, किसानों एवं महिला स्वयं सहायता समूहों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यक्रम में कृषि विभाग के उप कृषि निदेशक रवि प्रकाश, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक सुमित पटेल, एलडीएम नाबार्ड तथा एपेक्स डीएसआर कंपनी के अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।उपस्थित अधिकारियों ने एफपीओ मॉडल को ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम बताते हुए किसानों को सामूहिक कृषि व्यवसाय अपनाने के लिए प्रेरित किया।प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने किसानों को आधुनिक बाजार व्यवस्था, मूल्य संवर्धन, उत्पाद की गुणवत्ता, आकर्षक पैकेजिंग, ब्रांडिंग तथा डिजिटल विपणन के महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान समय में केवल कृषि उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उत्पाद को बेहतर रूप में बाजार तक पहुंचाना भी उतना ही आवश्यक है।इस अवसर पर सत्यम देव श्रीवास्तव ने हल्दी एवं खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों के विपणन के विषय में एफपीओ कंपनियों को विस्तृत जानकारी प्रदान की।उन्होंने बताया कि यदि किसान एवं एफपीओ सामूहिक रूप से हल्दी, मसाले, दाल, आटा, अचार, मोटे अनाज आधारित उत्पाद एवं अन्य कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण और ब्रांडिंग करें, तो ग्रामीण उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाया जा सकता है।उन्होंने किसानों को यह भी बताया कि आधुनिक समय में ग्राहक केवल उत्पाद नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता, पैकेजिंग और विश्वसनीय ब्रांड को महत्व देता है।डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया प्रचार, ई–कॉमर्स तथा ओएनडीसी जैसे नेटवर्क के माध्यम से एफपीओ अपने उत्पादों की बिक्री बढ़ा सकते हैं।कार्यक्रम में नाबार्ड अधिकारियों द्वारा एफपीओ के लिए उपलब्ध विभिन्न योजनाओं, इक्विटी अनुदान, ऋण गारंटी, प्रसंस्करण इकाई स्थापना एवं वित्तीय सहायता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की गई। किसानों को बीज उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, शीत भंडारण एवं मूल्य श्रृंखला विकास के विषय में भी जागरूक किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित किसानों एवं महिला स्वयं सहायता समूहों ने हल्दी प्रसंस्करण, मसाला पैकेजिंग, मोटे अनाज उत्पाद निर्माण तथा खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना में विशेष रुचि दिखाई। कई प्रतिभागियों ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर उत्पन्न करेंगे।कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने भविष्य में भी किसानों एवं एफपीओ कंपनियों के लिए आधुनिक कृषि व्यवसाय, डिजिटल विपणन, प्रसंस्करण एवं ब्रांडिंग से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।उपस्थित किसानों ने कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी बताते हुए मॉडर्न एनजीओ एवं संबंधित अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

अजय राय के अलावा भाजपा के मंत्रियो और विधायक सासदो के सम्पत्तियो की जांच होनी चाहिए – पुनीत पाठक

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता पुनीत पाठक ने आज कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि महोबा में एक दलित छात्रा के साथ हुई अमानवीय घटना ने पूरे प्रदेश को शर्मसार कर दिया है। छात्रा का अपहरण कर उसे 16 दिनों तक बंधक बनाकर रखा गया तथा उसके साथ न केवल दुष्कर्म किया गया बल्कि उसके साथ अमानवीय और क्रूरतापूर्ण व्यवहार भी किया गया। इतनी भयावह घटना के बावजूद प्रदेश सरकार का कोई भी प्रतिनिधि पीड़िता और उसके परिवार का दुख साझा करने नहीं पहुंचा।प्रदेश प्रवक्ता पुनीत पाठक ने कहा कि जब उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय पीड़िता के परिवार से मिलने और उनका दुख साझा करने महोबा जा रहे थे, तब सरकार द्वारा उन्हें रोकने की हर संभव कोशिश की गई, लेकिन तमाम बाधाओं के बावजूद अजय राय पीड़िता के घर पहुंचे और परिवार को न्याय का भरोसा दिलाया।उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि संवेदनहीन सरकार स्वयं तो पीड़िता के प्रति कोई संवेदना नहीं दिखा रही है, लेकिन अजय राय के मानवीय प्रयास से इतनी विचलित हो गई कि पूरे प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा उनके खिलाफ धरना–प्रदर्शन शुरू करा दिए गए।इतना ही नहीं, सरकार के मंत्री और विधायक भी खुलकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का विरोध करने लगे।प्रदेश प्रवक्ता पुनीत पाठक ने कहा कि भाजपा नेताओं द्वारा अजय राय की संपत्ति की जांच की मांग करना हास्यास्पद है।अजय राय का सार्वजनिक जीवन पूरी तरह पारदर्शी और खुली किताब की तरह है।दूसरी ओर भाजपा सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है।हाल ही में आगरा नगर निगम द्वारा निजी बिजली कंपनी टोरेंट का लगभग 430 करोड़ रुपये माफ किया जाना इसका उदाहरण है। इससे पहले भी हजारों करोड़ रुपये पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के मामले सामने आ चुके हैं।इस मौके पर महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने भाजपा पर आरोप लगाया कि भाजपा सरकार "काम लो, चंदा दो" की नीति पर कार्य कर रही है तथा ईडी और आयकर छापों के माध्यम से राजनीतिक वसूली का कार्य कर रही है। यदि सरकार में वास्तव में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई का साहस है तो उसे अपने मंत्रियों और विधायकों की संपत्तियों की जांच करानी चाहिए।पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में मिड–डे मील से लेकर सड़क निर्माण, अस्पतालों की दवाइयों से लेकर मनरेगा तक हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार व्याप्त है। यहां तक कि प्रभु राम की नगरी अयोध्या तक को नहीं छोड़ा गया। विकास कार्यों और मंदिर चंदे के नाम पर हुआ।अनियमितताएं जनता के सामने हैं।जिला प्रवक्ता शीतला पाठक ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता राहुल गांधी जी की विचारधारा के सिपाही हैं और सार्वजनिक जीवन में पूर्ण पारदर्शिता एवं सुचिता में विश्वास रखते हैं।

किसी भी एजेंसी से जांच कराने में कांग्रेस को कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन वही एजेंसियां भाजपा सरकार के मंत्रियों और विधायकों की भी निष्पक्ष जांच करें।पत्रकार वार्ता में महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम, पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह, पीसीसी सदस्य श्री उग्रसेन मिश्रा, जिला प्रवक्ता शीतला पाठक, जिला सचिव पंकज सिंह, बजरंग सिंह, सेवादल महानगर अध्यक्ष बसंत मिश्रा, डॉ. विनोद गुप्ता, दानिश जिया, कैफियत अंसारी, अशोक कुमार शर्मा, कल्लू शर्मा सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

सरायरासी–सनेथू मार्ग पर बंद रेलवे क्रॉसिंग को लेकर विधायक रेल मंत्री से करेंगे मुलाकात

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। सर्किट हाउस में विधायक वेद प्रकाश गुप्ता द्वारा आयोजित जनसुनवाई के दौरान सरायरासी–सनेथू संपर्क मार्ग पर स्थित मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग को बंद किए जाने का मामला प्रमुखता से उठाया गया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सरायरासी रणधीर सिंह लल्ला एवं सनेथू प्रधान विजय कुमार ने विधायक को ज्ञापन सौंपकर बिना पूर्व सूचना एवं वैकल्पिक व्यवस्था के मार्ग बंद किए जाने पर ग्रामीणों की गंभीर समस्याओं से अवगत कराया। ज्ञापन में मार्ग पर अंडरपास अथवा अन्य वैकल्पिक व्यवस्था शीघ्र कराए जाने

की मांग की गई।ज्ञापन में बताया गया है कि रेलवे क्रॉसिंग बंद होने से कई गांवों के लोगों का आवागमन प्रभावित हो गया है।लम्बे समय से ग्रामीणों द्वारा इसी मार्ग का प्रयोग किया जा रहा है। छात्रों को विद्यालय जाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है, वहीं किसानों एवं आमजन को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया गया कि इस मार्ग के बंद होने से लगभग 20 हजार से अधिक आबादी प्रभावित हुई है।विधायक ने इस विषय को लेकर उन्होंने रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से मिलने का समय लिया है। उन्होंने पत्र के माध्यम से भी रेल मंत्री को पूरे प्रकरण से अवगत कराया है।विधायक ने कहा, "बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए इतने महत्वपूर्ण मार्ग को बंद कर देना उचित नहीं है। इससे ग्रामीणों, छात्रों एवं किसानों को भारी कठिनाई हो रही है। बताया कि रेल मंत्री से मुलाकात कर समस्या के समाधान के लिए अडंरपास अथवा रेलवे क्रासिंग स्थापित कराई जाएगी। जिससे आम जनमानस की समस्या का समाधान हो सके।

जनगणना कार्य में लापरवाही पर 162 प्रगणकों का वेतन अवरुद्ध

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।जनगणना कार्य की जनपद स्तरीय समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि जनपद में नियुक्त कुल 162 प्रगणकों द्वारा अब तक कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। जनगणना जैसे महत्वपूर्ण एवं राष्ट्रीय महत्व के कार्य में लापरवाही एवं शिथिलता बरतने को गंभीरता से लेते हुए संबंधित प्रगणकों के विरुद्ध वेतन अवरुद्ध किए जाने की कार्रवाई जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी वि०ए० रा० अमित कुमार भट्ट द्वारा की गई है।अपर जिलाधिकारी वि०ए० रा० द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार विभिन्न तहसीलों में कार्यरत प्रगणकों के विरुद्ध यह कार्रवाई की गई है, जिसमें रुदौली तहसील के 17, मिल्कीपुर तहसील के 46, सोहावल तहसील के 31 तथा बीकापुर तहसील के 68 प्रगणकों का वेतन रोका गया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जनगणना कार्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा इसमें किसी भी प्रकार की उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी।सभी संबंधित कार्मिकों को समयबद्ध एवं जिम्मेदारीपूर्वक कार्य संपादित करने के निर्देश दिए गए हैं।अपर जिलाधिकारी वि०ए० रा० ने यह भी निर्देशित किया है कि जिन प्रगणकों द्वारा अभी तक कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, वे तत्काल कार्य प्रारंभ करते हुए प्रगति सुनिश्चित करें, अन्यथा आगे और कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बुझ गया उर्दू शायरी का सबसे चमकदार सितारा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जनवादी लेखक संघ, फैजाबाद इकाई द्वारा सम्मानित वरिष्ठ उर्दू शायर बशीर बद्र के निधन पर एक शोकसभा का आयोजन आभा होटल सभागार में किया गया।सभा में बशीर बद्र साहब की जनपक्षधर कविताओं, गजलों और एक शायर के रूप में उनकी मानवीय संवेदनाओं को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभा की अध्यक्षता जनवादी लेखक संघ के जिलाध्यक्ष मो जफर ने की।शोकसभा के प्रारम्भ में डॉ विशाल श्रीवास्तव ने कहा कि बशीर बद्र साहब ने आम आदमी को संबोधित करते हुए सादा जबान में बहुत गहराई से अपनी शायरी को आला मुकाम तक पहुँचाया। उनको इस बात के लिए भी याद किया जाएगा कि जीवन के तल्खध् अनुभवों के बावजूद उनकी शायरी में कहीं से कड़वाहट नहीं आने पाई। मो जफर साहब ने कहा कि बशीर बद्र साहब की कविता साम्प्रदायिक सद्भाव और इंसानियत की मिसाल थी। उन्होंने कहा कि वे अवाम के शायर थे जो आसान जबान में वकध्त की तल्खध् सच्चाइयों को बयान करने का हुनर रखते थे। नाजिश फातिमा ने उनके शेर 'सर झुकाओगे तो पत्थर देवता हो जाएगा' के माध्यम से बशीर बद्र की शायरी में फलसफाई गहराई को सराहा।उन्होंने उनकी कई अन्य गजलों का भी पाठ किया। सत्यभान सिंह ने बशीर बद्र को 'आम आदमी का शायर' बताते हुए कहा कि उनकी शायरी में दर्द के साथ उम्मीद भी थी। उन्होंने उनकी चर्चित किताबों 'आखिरी किताब' और 'ख्वाब जला रहे हैं' का जिक्र किया। युवा कवि राजीव श्रीवास्तव ने बशीर बद्र साहब की गजलों का तरन्नुम में पाठ कर उनको श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि अपनी किशोरावस्था में उर्दू शायरी की ओर झुकाव ही बशीर बद्र साहब की वजह से हुआ। वाहिद अली ने भी उनके अशआर सुनाते हुए कहा कि बशीर साहब ने उर्दू शायरी को आम बोलचाल की भाषा दी और उसे जन–जन तक पहुँचाया। अखिलेश सिंह ने कहा कि उनकी सादगी भरी शायरी, जैसेकृ ष्उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो, न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाएष और ष्यह नए मिजाज का शहर है, जरा फासले से मिला करोष्कृ लोगों की जुबान पर हमेशा के लिए बस चुकी हैं द्य बृजेश श्रीवास्तव ने कहा कि बशीर बद्र की शायरी की सबसे बड़ी ताकत यही थी कि वो मुश्किल अल्फाज में नहीं, सीधे दिल में उतरती थी। पूजा श्रीवास्तव ने कहा कि मोहब्बत को उन्होंने मुश्किल नहीं, आसान बताया। उनकी शायरी में दर्द था, लेकिन उम्मीद भी थीय मोहब्बत थी, लेकिन दिखावा नहीं था। रामजी तिवारी और विजय श्रीवास्तव ने भी बशीर बद्र को याद करते हुए उनके चुनिंदा अशआर सुनाए। शोकसभा में कई अन्य लेखक, कवि और संस्कृतिकर्मी भी मौजूद रहे।

खंडासा में युवक को जान–माल की धमकी का आरोप, ऑडियो रिकॉर्डिंग के साथ थाने में दी तहरीर

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।जनपद के थाना खंडासा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सरवनपुर मजरे अटेसर में आपसी रंजिश को लेकर एक युवक को फोन पर जान–माल की धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है।पीड़ित ने स्थानीय थाने में शिकायत देकर निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। सरवनपुर निवासी कौशलेन्द्र कुमार पुत्र दिनेश कुमार ने आरोप लगाया है कि करीब 20 दिन पूर्व गांव में विजय कुमार पुत्र बुधराम व राधेश्याम पुत्र बाबादीन के बीच हुए विवाद के दौरान वह गांव के नाते विजय कुमार के पक्ष में खड़े थे। इसी बात को लेकर गांव के ही अजीत कुमार पुत्र माताफेर, जिन्हें पीड़ित ने भीम आर्मी से जुड़ा बताया है, उनसे रंजिश मानने लगे।पीड़ित का आरोप है कि बीते लगभग 10 दिनों से अजीत कुमार उन्हें रास्ते में रोककर हाथ–पैर तोड़ने तथा फर्जी मुकदमे में फंसाकर जेल भिजवाने की धमकी दे रहे थे। कौशलेन्द्र कुमार के अनुसार, 28 मई 2026 को दोपहर करीब 12रू50 बजे आरोपी ने मोबाइल पर फोन कर अभद्र भाषा का प्रयोग किया और चौराहे पर बुलाकर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। कौशलेन्द्र का कहना है कि उन्होंने फोन पर समझाने का प्रयास करते हुए कहा कि उनका कोई व्यक्तिगत विवाद नहीं है, लेकिन आरोपित और अधिक आक्रोशित हो गया तथा धमकी देकर फोन काट दिया। पीड़ित ने दावा किया कि धमकी भरी कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग उनके पास सुरक्षित है। लगातार मिल रही धमकियों से भयभीत पीड़ित ने थाना खंडासा में शिकायत देकर मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है, जिससे किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके। इस संबंध में थाना प्रभारी खंडासा से बात किए जाने पर उन्होंने बताया कि मामले की जानकारी मिली है। जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

खेल-खेल में डूबी जिंदगी, पानी में बह गए डॉक्टर और अफसर बनने के सपने, राप्ती नदी में दर्दनाक हादसा

गोरखपुर, (संवाददाता)। गोरखपुर के राजघाट थानाक्षेत्र के राप्ती नदी के किनारे सोमवार को हुए हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। खेलते–खेलते नदी में नहाने पहुंचे तीन किशोर गहरे पानी में चले गए और डूबने से उनकी मौत हो गई। मृतकों में दो परिवारों के इकलौते बेटे भी शामिल हैं, जिससे घरों में कोहराम मच गया। डॉक्टर और अफसर बनने के सपने देखते इन मासूमों की जिंदगी अचानक खत्म हो गई। सुधीर का बेटा अंश उर्फ निक्कू घर का इकलौता बेटा था। वह एक निजी स्कूल में 10वीं कक्षा का छात्र था। परिवार में मां रेखा, बाबा रामदरश और एक बहन अंशिका हैं। पिता मजदूरी कर परिवार का पालन–पोषण करते हैं। मां रेखा ने रोते हुए बताया कि उनका बेटा बड़ा होकर डॉक्टर बनना चाहता था। इसी तरह शक्ति कुमार गौतम, जो 9वीं कक्षा का छात्र था, भी इस हादसे का शिकार हो गया। उसके परिवार में मां सुभावती, पिता मोहन कुमार गौतम, एक बहन मोनिका और मझला भाई सागर हैं। पिता दिहाड़ी मजदूर हैं, जबकि मां घरों में चौका–बर्तन कर परिवार चलाती हैं। मां के अनुसार शक्ति सुबह से कुछ नहीं खाया था और शाम करीब पांच बजे मैगी लेने घर आया था। वह अक्सर कहता था कि मां, मैं कुछ बनकर दिखाऊंगा। ये बोलते हुए मां की आंशू छलक उठे। इधर, फखरुद्दीन का बेटा इरफान भी 10वीं का छात्र था और घर का इकलौता बेटा था। पिता हलवाई का काम करते हैं, जबकि मां सोना घरों में काम करती हैं। परिवार में एक छोटी बहन खुशी भी है। परिजनों के मुताबिक इरफान का सपना आईपीएस बनकर परिवार का नाम रोशन करना था। लेकिन वह कब और कैसे राप्ती नदी तक पहुंच गया, किसी को अंदाजा नहीं था। स्थानीय लोगों के अनुसार मोहल्ले के करीब 12 बच्चे पहले मोहल्ले में खेल रहे थे। कुछ देर बाद सभी क्रिकेट खेलने की बात करते हुए नार्मल क्षेत्र की ओर चले गए और फिर राप्ती नदी पहुंच गए। वहां नहाने के दौरान अचानक तीन किशोर गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बाकी बच्चे यह देखकर घबरा गए और वहां से भाग खड़े हुए। वहीं एक किशोर किसी तरह घर पहुंचा और परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पूरे इलाके में अफरा–तफरी मच गई।

खमरिया में बकरीद की नमाज का समय तय

भदोही, (संवाददाता)। बकरीद की नमाज का समय तय कर दिया गया है। बकरीद की पहली नमाज 28 मई को ईदगाह में सुबह 6रू30 बजे हाफिज हारून रशीद और दूसरी नमाज सुबह सात बजे हाफिज मुमताज की इमामत में होगी। विशेष परिस्थिति के लिए कार्यवाहक इमाम हाफिज जमील अहमद को बनाया गया है। यह जानकारी अंजुमान इसलाहुल मुस्लिमिन कमेटी के अध्यक्ष सेराज अहमद ने दी। 6.30 बजे होगी पहली जमात । नगर के एकमात्र ईदगाह में 28 मई को होने वाले बकरीद की नमाज का समय तय कर दिया गया है। पहली जमात सुबह 6.30 बजे हाफिज आफताब अंसारी पढ़ाएंगे जबकि दूसरी जमात सुबह 7.00 बजे हाफिज रियाज की इमामत में पढ़ी जाएगी। हाफिज आफताब अंसारी ने लोगों से अपील की है कि समय से ईदगाह पहुंचें और ईदगाह के अंदर ही नमाज अदा करें। यदि पहली जमाअत में जगह ना मिले तो दूसरी जमाअत में नमाज पढ़ें।

केएन विश्वविद्यालय के जन सूचना अधिकारी को नोटिस

काशी नरेश राज्य विश्वविद्यालय के जनसूचना अधिकारीध्प्राचार्य को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई जानकारी उपलब्ध कराने में की जा ही हीलाहवाली पर राज्य सूचना आयुक्त वीरेंद्र प्रताप सिंह ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मिर्जापुर जिले के कटरा कोतवाली के नटवां जंगी रोड निवासी ऋचा ने सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत जानकारी मांगी थी कि उनके पति विवेक महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर कब से तैनात हैं। उन्हें प्रति माह कितना वेतन मिलता है। तय समय व्यतीत होने के बाद भी जानकारी न मिलने पर उन्होंने राज्य सूचना आयोग में याचिका दाखिल की थी। राज्य सूचना आयुक्त ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। साथ ही अगली सुनवाई तिथि 16 जुलाई को उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

45 फीट की ऊंचाई से कैसे गिरा कुनाल, जांच में खुली लापरवाही की परतें

आगरा, (संवाददाता)। ताजनगरी फेज–2 स्थित आगरा चौपाटी पर रविवार शाम जिप लाइन की सेफ्टी बेल्ट टूटने से हुए हादसे की जांच के लिए मंगलवार को एडीए सचिव की अध्यक्षता पांच सदस्यीय टीम ने ईओडी एडवेंचर कंपनी के कर्मचारियों से पूछताछ की। फिटनेस प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेज जुटाए। टीम ने हादसे का सीन रिक्रिएट किया। फिरोजाबाद निवासी 15 वर्षीय किशोर कुनाल की जिप लाइन का सेफ्टी लॉक टूटने के कारण 45 फुट ऊंचाई से गिरकर रविवार शाम मौत हो गई थी। एक घंटे तक किशोर तड़पता रहा। एंबुलेंस देर से पहुंची। एडवेंचर स्पोर्ट्स कराने वाली कंपनी ईओडी एडवेंचर पार्क और आगरा विकास प्राधिकरण पर लापरवाही के आरोप हैं। मामला शासन तक पहुंचने के बाद एडीए उपाध्यक्ष एम अरुन्नमौली ने हादसे की जांच के लिए पांच सदस्यीय कमेटी बनाई है। एडीए उपाध्यक्ष द्वारा गठित पांच सदस्यीय जांच कमेटी ने मंगलवार को घटनास्थल का मुआयना किया और मौके पर मौजूद कंपनी के कर्मचारियों से सघन पूछताछ की। टीम ने सबूत भी जुटाए हैं। किशोर के लोहे की ग्रिल से नीचे गिरने के सीन को रिक्रिएट किया। जांच टीम में सचिव के अलावा मुख्य अभियंता, अधिशासी अभियंता, नगर नियोजक क्षेत्रीय सहायक अभियंता आदि शामिल रहे। जांच कमेटी ने घटनास्थल का जायजा लेने के साथ ही फर्म के कर्मचारियों के बयान दर्ज किए और संचालन से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेजों को कब्जे में लेकर उनका अध्ययन किया। समिति इस हादसे के तकनीकी और मानवीय, हर पहलू की जांच कर रही है। जल्द ही कमेटी एडीए उपाध्यक्ष को अपनी विस्तृत रिपोर्ट सौंपेगी। हालांकि इस मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।